University in News on 09 April 2025

AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

लविवि भी समर्थ पोर्टल से करेगा दाखिले, तैयारी पूरी

लखनऊ। लखनऊ विवि शैक्षणिक सत्र 2025-26 में सभी कोर्सों के दाखिले समर्थ पोर्टल से करेगा। इसकी तैयारी पूरी कर ली गई है। प्रवेश विभाग स्नातक और परास्नातक स्तर के कोर्स में आवेदन के लिए के लिए जल्द ही अधिसूचना जारी कर सकता है। यह पहली बार होगा कि विवि किसी एकीकृत पोर्टल से दाखिले लेगा।

जल्द शुरू होगी आवेदन प्रक्रिया

लखनऊ विवि अभी तक सभी पाठ्यक्रमों में ऑनलाइन आवेदन लेकर मेरिट के आधार पर विद्यार्थियों को दाखिला देता था। अब शासन के आदेश पर इस बार सभी प्रवेश समर्थ पोर्टल के माध्यम होंगे। प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि अभ्यर्थी वेबसाइट www.lkouniv.ac.in पर समर्थ पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकेंगे। शीघ्र ही वेबसाइट पर निर्देश जारी किए जाएंगे। सभी प्रवेश लखनऊ विवि पंजीकरण संख्या (एलयूआरएन) के बाद ही होंगे।

बीते दिनों कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी ने विवि के सभी डीन, विभागाध्यक्ष, निदेशक और समन्वयकों को पत्र जारी कर आवेदन पत्र के प्रारूप के संबंध में सुझाव मांगे थे। सुझाव मिलने के बाद विचार के लिए प्रवेश समिति को भेजते हुए आगे की प्रक्रिया शुरू की गई थी। (संवाद)

आवेदन शुल्क में छूट की गुंजाइश कम : लखनऊ विवि वर्तमान प्रवेश व्यवस्था में स्नातक और परास्नातक के कोर्स में आवेदन के लिए 800 से लेकर 1600 रुपये फॉर्म शुल्क वसूलता है, जबकि पीएचडी के लिए फॉर्म की फीस दो हजार रुपये है। वहीं, समर्थ पोर्टल पर विद्यार्थियों को फॉर्म की फीस में छूट मिलने की गुंजाइश कम है। इस पर विवि प्रशासन का तर्क है कि विवि को सरकार से पर्याप्त मात्रा में आर्थिक सहायता नहीं मिलती। ऐसे में आवेदन फॉर्म की फीस घटाने की संभावना कम है।

लविविः इंजीनियरिंग के छात्रों को मिली एआई लैब की सौगात

कुलपति ने कई परियोजनाओं का किया उद्घाटन

लखनऊ। लखनऊ विवि के इंजीनियरिंग के छात्र अब आधुनिक तकनीक के साथ कदमताल करते दिखेंगे। नवीन परिसर स्थित संकाय में आधुनिक आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) तकनीक से लैस प्रयोगशालाएं बनाई गई हैं। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने मंगलवार को इनके उद्घाटन के साथ ही स्वचालित सौर ऊर्जा आधारित स्ट्रीट लाइट्स और एप्पल आई मैक प्रयोगशाला का लोकार्पण किया।

कुलपति ने कहा, लविवि में आधारभूत संरचना और तकनीकी नवाचार को समान रूप से प्राथमिकता दी जा रही है। इससे छात्रों को गुणवत्तापूर्ण एवं आधुनिक शैक्षणिक वातावरण मिल सके। अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय में स्थापित एआई प्रयोगशाला छात्रों को मशीन लर्निंग, रोबोटिक्स, कंप्यूटर विजन, नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग और डाटा एनालिटिक्स जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान एवं नवाचार की दिशा में सशक्त बनाएगी।

एप्पल आई मैक प्रयोगशाला विवि को 'एप्पल ऑथराइज्ड ट्रेनिंग सेंटर फॉर एजुकेशन (एएटीसीई)' के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। मैक सिस्टम, स्विफ्ट, एक्सकोड और एप्पल के डेवलपर टूल्स की सहायता से बीटेक के छात्र नई एप्लीकेशन विकसित करने में सक्षम होंगे। इस मौके पर डीन प्रो. एके सिंह, प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव, डॉ. हिमांशु पांडये, प्रो. आरके सिंह, प्रो. बीडी सिंह व अन्य शिक्षक उपस्थित रहे। (संवाद)

प्रतियोगिता के पोस्टर का विमोचन

लखनऊ। लविवि के विधि संकाय में तीसरी डॉ. अवतार सिंह स्मृति राष्ट्रीय आलेख लेखन प्रतियोगिता के पोस्टर का विमोचन डीन प्रो. बीडी सिंह ने किया। ''एआई और कानूनः कानूनी नवाचार का एक नया युग'' विषय पर होने वाली प्रतियोगिता में पंजीकरण के लिए 19 अप्रैल अंतिम तिथि तय की गई है। लेख जमा करने की अंतिम तिथि 26 अप्रैल निर्धारित की गई है। (संवाद)

NBT PAGE 3

LU न्यू कैंपस में खुली AI लैब, आसान होगी रिसर्च

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय के न्यू कैंपस में मंगलवार को आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) लैब और एपल आईमैक लैब की शुरुआत हुई। वीसी प्रो. आलोक राय ने इंजिनियरिंग विभाग की इन दोनों लैब के साथ नई वाउंड्री वाल और सोलर स्ट्रीट लाइटों का भी लोकार्पण किया। उद्घाटन किया। दोनों लैब में 36-36 सीटें हैं। यहां इंजिनियरिंग, कंप्यूटर साइंस और मैनेजमेंट में विजनस एनालिटिक्स के स्टूडेंट प्रॉजेक्ट और ट्रेनिंग कर सकेंगे।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने वताया कि आर्टिफिशल इंटेलिजेंस लैब में मशीन लर्निंग, रोवॉटिक्स, कंप्यूटर विजन, नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग और डेटा एनालिटिक्स समेत कई विषयों पर रिसर्च हो सकेगी। लैब में एसपीएसएस, आर स्टूडियो, पाइथन, टैब्लू, पावर वीआई समेत कई सॉफ्टवेयर भी होंगे। इसी तरह एपल ऑथराइज्ड ट्रेनिंग सेंटर फॉर एजुकेशन (एएटीसीई) के तहत खुली ऐप आईमैक लैब में स्टूडेंट स्पेशलाइज्ड ट्रेनिंग हासिल कर सकेंगे। स्टूडेंट यहां मैक सिस्टम, स्विफ्ट, एक्सकोड और ऐप के डेवलपर टूल्स की सहायता से नए ऐप बनाना सीखेंगे।

वीसी प्रो. आलोक राय ने दो नई लैब के साथ बाउंड्री वॉल और सोलर स्ट्रीट लाइटों का भी लोकार्पण किया।

नहीं होगा कॉमन ऐडमिशन टेस्ट, समर्थ से होंगे दाखिले

शासन स्तर पर सभी विवि की बैठक में फैसला

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ

एलयू समेत प्रदेश के सभी राज्य विश्वविद्यालय व डिग्री कॉलेजों में दाखिले के लिए कॉमन ऐडमिशन टेस्ट का प्रस्ताव स्थगित कर दिया गया है। शासन स्तर से हुए निर्णय के अनुसार विवि और कॉलेज अपने स्तर से ही दाखिले लेंगे। हालांकि इस वार सभी दाखिले समर्थ पोर्टल के माध्यम से होंगे। इसे लेकर हुई वैठक के वाद विश्वविद्यालयों ने नोटिफिकेशन भी जारी कर दिया गया है। लखनऊ विश्वविद्यालय ने जल्द ही दाखिले की प्रक्रिया शुरू करने का नोटिस जारी किया है।

वीते दिनों सरकार ने सभी विवि व कॉलेजों के लिए कॉमन एडमिशन टेस्ट के लिए सुझाव मांगे थे। इस कारण कई विवि दाखिले की प्रक्रिया शुरू नहीं कर रहे थे। शासन के अधिकारियों के साथ मंगलवार को विश्वविद्यालयों के जिम्मेदारों की ऑनलाइन मीटिंग हुई। इसमें विश्वविद्यालयों को अपने स्तर से दाखिला लेने का निर्देश दे दिया गया। इससे साफ हो गया है कि शासन इस वार कोई भी कॉमन ऐडमिशन टेस्ट नहीं करवाएगा, हालांकि सभी विवि समर्थ पोर्टल के माध्यम से दाखिले लेंगे।

खुलेगा LURN पोर्टल

लखनऊ विश्वविद्यालय ने भी प्रवेश के लिए नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। इसके तहत एलयू एवं संबद्ध महाविद्यालयों में LURN पंजीकरण के बाद ही प्रवेश आवेदन होंगे। विवि जल्द ही LURN पोर्टल खोलेगा। विवि के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि शासन ने सभी विवि को अपने स्तर से दाखिला लेने के निर्देश दिए हैं। ऐसे में जल्द पोर्टल पर आवेदन की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। एक सप्ताह में नोटिफिकेशन जारी कर दिया जाएगा।

आम आदमी को शिक्षा, सुरक्षा व भोजन की मिल रही गारंटी

विभाग की ओर से आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में मौजूद डॉ. जितेंद्र कुमार, लखनऊ विवि के कुलपति आलोक राय, राज्यमंत्री रजनी तिवारी और प्रो. संजय गुप्ता। (बाएं से दाएं) - अमर उजाला

संवाद न्यूज एजेंसी

लविवि राजनीति शास्त्र विभाग में संगोष्ठी में बोलीं उच्च शिक्षा राज्य मंत्री

लखनऊ। लविवि में राजनीति शास्त्र विभाग और भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद की ओर से राज्य, समाज और राष्ट्र के बीच अंर्तसंबंध : भारतीय परिपेक्ष्य विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन मंगलवार को हुआ। समापन सत्र में मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी रहीं।

उन्होंने कहा, सरकार की योजना अंत्योदय से सर्वोदय की है। इससे आम आदमी को भी शिक्षा, सुरक्षा और भोजन की गारंटी मिल रही है। कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय, विभागाध्यक्ष प्रोफेसर संजय गुप्ता, प्रो. मनुका खन्ना, प्रो. कमल कुमार, प्रो. कविराज, डॉ. अमित कुशवाहा आदि उपस्थित रहे।

i-NEXT PAGE 4

अब एलयू में होगी एग्रीकल्चर फैकल्टी

4 साल का यूजी कोर्स होगा शुरू, रिसर्च भी शामिल

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (8 April): एग्रीकल्चर भारत की इकोनॉमी का एक बड़ा हिस्सा है. इसके साथ ही बदलते टाइम के साथ एग्रीकल्चर में भी टेक्नोलॉजी के साथ अपग्रेडेशन की जरूरत है. इसी को ध्यान में रखते हुए लखनऊ यूनिवर्सिटी ने फैकल्टी ऑफ एग्रीकल्चर की शुरुआत करने का फैसला लिया है ताकि स्टूडेंट्स टेक्निकल स्किल्स के साथ एग्रीकल्चर की पढ़ाई करके एक ब्राइट फ्यूचर की तरफ कदम बढ़ा सकें.

4 साल का बीएससी ऑनर्स

डीन एग्रीकल्चर प्रो. गौरी सक्सेना ने बताया कि अभी तक यूनिवर्सिटी से एफिलिएटेड कॉलेजेस में एग्रीकल्चर की पढ़ाई हो रही थी, लेकिन यूनिवर्सिटी में अलग से एग्रीकल्चर की फैकल्टी नहीं थी. आज के टाइम में एग्रीकल्चर की उपयोगिता और आने वाले टाइम में एग्रीकल्चर की डिमांड को देखते हुए हमने एग्रीकल्चर फैकल्टी के अंतर्गत 4 साल का बीएससी ऑनर्स की शुरुआत करने का फैसला लिया है.

स्टूडेंट्स के लिए बनेंगी लैब

एग्रीकल्चर में सॉइल मैनेजमेंट एंड रिसर्च के लिए स्टूडेंट्स को लैब्स भी अवेलेबल करवाई जाएंगी. प्रो. गौरी ने बताया कि एग्रीकल्चर के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर पर लगातार काम किया जा रहा है, इसके साथ ही हम स्टूडेंट्स के लिए लैब्स बनाने पर भी काम कर रहे हैं, जो जल्द ही पूरा हो जाएगा.

एग्रीकल्चर इज द फ्यूचर

एग्रीकल्चर में पढ़ाई करने के बाद स्टूडेंट्स के पास होने वाले करियर ऑप्शन के बारे में बात करते हुए प्रो. गौरी ने बताया कि एग्रीकल्चर हमेशा से ही हमारे देश की बैक बोन रही है और आने वाले फ्यूचर में भी इसकी जबरदस्त डिमांड रहेगी क्योंकि हमारी बेसिक 3 नीड्स को पूरा करने में एग्रीकल्चर का महत्वपूर्ण योगदान है. ऐसे में, एग्रीकल्चर में डिग्री करके स्टूडेंट्स न सिर्फ एग्रीकल्चर की बारीकियों को जानेंगे बल्कि इसके डेवलपमेंट और इंटीग्रेशन की टेक्निक्स के बारे में भी सीखेंगे. बीएससी ऑनर्स इन एग्रीकल्चर एक इंटीग्रेटेड सेल्फ फाइनेंस कोर्स है, जिसमें एग्रीकल्चर के साथ ही इकोनॉमी, मैनेजमेंट एंड रिसर्च भी शामिल है.

एंट्रेंस से होगा एडमिशन

एग्रीकल्चर फैकल्टी के बारे में बात करते हुए प्रो. गौरी ने बताया कि एग्रीकल्चर में बीएससी ऑनर्स 4 साल की होगी, जिसमें रिसर्च भी शामिल है. इस कोर्स में अभी शुरुआत में 120 सीटों पर एडमिशन होंगे. एडमिशन यूनिवर्सिटी द्वारा कराए जाने वाले एंट्रेंस एग्जाम में मिले मार्क्स के आधार पर ही होंगे.

"एग्रीकल्चर की इम्पोर्टेंस और स्टूडेंट्स की डिमांड को देखते हुए हम फैकल्टी ऑफ एग्रीकल्चर की शुरुआत करने जा रहे हैं. जिससे स्टूडेंट्स एग्रीकल्चर के नए आस्पेक्ट्स और फ्यूचर नीड्स के बारे में जानेंगे और रिसर्च करेंगे.

डॉ. गौरी सक्सेना, डीन एग्रीकल्चर, लखनऊ यूनिवर्सिटी

वीसी ने स्टूडेंट्स को किया संबोधित

LUCKNOW : एलयू के इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट साइंस के एमबीए स्टूडेंट्स को वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने संबोधित किया. यह कार्यक्रम मुख्य रूप से आधुनिक युग में ग्राहक केंद्रित संगठनों पर आधारित था. कार्यक्रम का शुभारंभ वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने दीप प्रज्वलन के साथ किया. इसके बाद आईएमएस की डायरेक्टर प्रो. विनीता काचर ने उनको मोमेंटो देकर सम्मानित किया. प्रो. राय ने स्टूडेंट्स को ग्राहकों, ग्राहक केंद्रित संगठनों और उनके बनने के लिए ग्राहक सेवा सुधार के बारे में जानकारी दी. उन्होंने स्टूडेंट्स से भी इंटरेक्शन किया, जिसके बाद कार्यक्रम के समापन के तौर पर डॉ. अमिताभ रॉय ने वीसी को धन्यवाद ज्ञापित किया.

एडमिशन की तैयारी पूरी, समर्थ से प्रवेश

लखनऊ यूनिवर्सिटी में 2025-26 के यूजी एवं पीजी प्रोग्राम्स के लिए एडमिशन प्रोसेस समर्थ पोर्टल के जरिए होगी. स्टूडेंट्स एलयू की ऑफिशियल वेबसाइट पर समर्थ पोर्टल के माध्यम से जल्द ही ऑनलाइन एडमिशन प्रोसेस और एलयूआरएन रजिस्ट्रेशन स्टार्ट कर दिए जाएंगे. इससे रिलेटेड इन्फॉर्मेशन यूनिवर्सिटी की वेबसाइट पर जारी होगी. इसके साथ ही एलयू से एफिलिएटेड कॉलेजेस में भी एडमिशन एलयूआरएन रजिस्ट्रेशन के बाद ही होंगे.

PIONEER PAGE 3

भारतीय मूल्यों पर जोर देती है नई राष्ट्रीय शिक्षा नीतिः रजनी तिवारी

लखनऊ। लविवि के राजनीतिशास्त्र विभाग एवं भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित राज्य, समाज और राष्ट्र के बीच अंर्तसंबंधः भारतीय परिपेक्ष्य विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें देशभर के विश्वविद्यालयों से विद्वान उपस्थित हुए थे। संगोष्ठी के समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में राज्य शिक्षा मंत्री रजनी तिवारी ने बताया कि देश के विकास में शिक्षा के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सरकार की योजना अंत्योदय से सर्वोदय की है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति का मुख्य उद्देश्य शिक्षा में भारतीय मूल्यों पर जोर देना है। कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने विशेष रूप राजनीति विज्ञान विभाग के नवनियुक्त शिक्षकों को राष्ट्रीय संगोष्ठी की सफलता पर विशेष रूप से बधाई दी। इसी क्रम में संगोष्ठी के समापन सत्र का राष्ट्रगान के साथ समापन किया गया।

कुलपति ने किया विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर में मंगलवार को कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने विभिन्न महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं का लोकार्पण किया। यह आयोजन विश्वविद्यालय की आधारभूत संरचना को सुदृढ़ बनाने एवं विद्यार्थियों को आधुनिक सुविधाओं से युक्त शिक्षण वातावरण प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम रहा।

कुलपति ने सर्वप्रथम द्वितीय परिसर में नव-निर्मित बाउंड्री वाल का लोकार्पण किया। इसके उपरांत गंगा छात्रावास के निकट स्थित नवीन जलापूर्ति व्यवस्था हेतु स्थापित डीप बोर नलकूप का लोकार्पण किया, जो परिसर में स्वच्छ एवं सतत जलापूर्ति सुनिश्चित करेगा। साथ ही द्वितीय परिसर में ही स्वचालित सौर ऊर्जा आधारित स्ट्रीट लाइट्स का लोकार्पण किया, जो विश्वविद्यालय के हरित ऊर्जा के प्रति संकल्प को दर्शाता है। अगले चरण में अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग में निर्मित अत्याधुनिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रयोगशाला और एप्पल आईमैक प्रयोगशाला का उद्घाटन कुलपति प्रो आलोक कुमार राय के द्वारा किया गया। प्रयोगशाला के उद्घाटन समारोह मे कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय में आधारभूत संरचना और तकनीकी नवाचार को समान रूप से प्राथमिकता दी जा रही है, ताकि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं आधुनिक शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध हो सके। द्वितीय परिसर में बाउंड्री वाल, जलापूर्ति प्रणाली और सौर स्ट्रीट लाइट जैसी सुविधाएं न केवल सुरक्षा और सुविधा प्रदान करती हैं, बल्कि हरित ऊर्जा के प्रति विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को भी दर्शाती हैं। कुलपति ने इन आधुनिक प्रयोगशालाओं की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय में स्थापित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रयोगशाला विद्यार्थियों को मशीन लर्निंग, रोबोटिक्स, कंप्यूटर विजन, नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग और डाटा एनालिटिक्स जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान एवं नवाचार की दिशा में सशक्त बनाएगी। वहीं एप्पल आईमैक प्रयोगशाला विश्वविद्यालय को 'एप्पल ऑथराइज्ड ट्रेनिंग सेंटर फॉर एजुकेशन (एएटीसीई)' के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, इसके साथ ही विश्वविद्यालय को प्रशिक्षण और प्रमाणन कार्यक्रमों के माध्यम से नई राजस्व धाराएं प्राप्त होंगी।

AMRIT VICHAR PAGE 7

डिजिटल लर्निंग के लिए स्वयम मेंटर्स ओरिएंटेशन का आयोजन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय ने रसायन विज्ञान विभाग के सभागार में स्वयम मेंटर्स के लिए एक ओरिएंटेशन सत्र का सफलतापूर्वक आयोजन किया। प्रो. अनिल मिश्रा ने स्वागत भाषण के साथ सत्र का उद्घाटन किया और डॉ. सुधीर मलिक ने कार्यवाही का कुशलतापूर्वक समन्वय किया।

यह कार्यक्रम लखनऊ विश्वविद्यालय की स्वयम समन्वयक डॉ. किरण लता डंगवाल के मार्गदर्शन में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के अमूल्य सहयोग से आयोजित किया गया। ओरिएंटेशन में विभिन्न विभागों के स्वयम मेंटर्स ने स्वयम प्लेटफॉर्म के माध्यम से डिजिटल लर्निंग को प्रभावी ढंग से लागू करने की रणनीतियों पर विचार-विमर्श किया। क्रेडिट ट्रांसफर की सुविधा और अकादमिक रिकॉर्ड बनाए रखने के लिए परीक्षा नियंत्रक (सीओई) के साथ समय पर समन्वय के महत्व पर भी जोर दिया।

लविवि में प्रवेश की तैयारी हुई पूरी समर्थ से होगा प्रवेश

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय सत्र 2025-26 की स्नातक एवं परास्नातक कक्षाओं के लिए प्रवेश प्रक्रिया समर्थ पोर्टल के माध्यम से सम्पादित होगी। लखनऊ विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट www.lkouniv.ac.in पर समर्थ पोर्टल के माध्यम से शीघ्र ही ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया एवं एयूआरएन पंजीकरण शुरू कर दिया जाएगा। इससे संबंधित दिशानिर्देश शीघ्र ही वेबसाइट पर जारी होंगे। लखनऊ विश्वविद्यालय एवं सहयुक्त महाविद्यालय में प्रवेश एयूआरएन पंजीकरण के बाद किए जाएंगे।

JAGRAN CITY PAGE III

'समर्थ' पर प्रवेश के लिए रजिस्ट्रेशन जल्द

जासं • लखनऊ : लवि और उससे संबद्ध महाविद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए प्रवेश की तैयारी पूरी कर ली गई है। इस वर्ष भी पिछले वर्ष की तरह प्रवेश प्रक्रिया समर्थ पोर्टल के माध्यम से आयोजित की जाएगी। स्नातक और परास्नातक कक्षाओं में प्रवेश के लिए पंजीकरण आनलाइन किए जाएंगे।

लवि www.lkouniv.ac.in पर जल्द ही प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। मंगलवार को शासन स्तर पर हुई आनलाइन बैठक के बाद यह स्पष्ट हो गया कि इस बार कामन प्रवेश प्रक्रिया नहीं होगी। ऐसे में पिछले वर्ष की तरह ही लवि और अन्य राज्य विश्वविद्यालय समर्थ पोर्टल पर अपने-अपने स्तर पर पंजीकरण और प्रवेश सूची तैयार कर सकेंगे। लखनऊ विश्वविद्यालय और संबद्ध कालेजों में प्रवेश प्रक्रिया एलयूआरएन (लखनऊ यूनिवर्सिटी रजिस्ट्रेशन नंबर) पंजीकरण के उपरांत ही पूरी की जाएगी। यह पंजीकरण समर्थ पोर्टल के माध्यम से किया जाएगा।

केएमसी में 15 अप्रैल तक खुलेगा पोर्टल : केएमसी में भी स्नातक और परास्नातक कक्षाओं के लिए प्रवेश प्रक्रिया समर्थ पोर्टल के जरिए संचालित की जाएगी। विश्वविद्यालय में अधिकांश पाठ्यक्रमों में प्रवेश मेरिट के आधार पर होगा, जबकि कुछ विशिष्ट पाठ्यक्रमों में प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी। विश्वविद्यालय का प्रास्पेक्टस तैयार कर लिया गया है और संभावना है कि 15 अप्रैल तक पंजीकरण के लिए पोर्टल खोल दिया जाएगा। केएमसी में स्नातक में 2650, परास्नातक में 936 और डिप्लोमा पाठ्यक्रम में 330 सीटों पर प्रवेश लिया जाएगा।

राजनीति विज्ञान विभाग और भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली की ओर से 'राज्य, समाज और राष्ट्र के बीच अंतर्संबंध : भारतीय परिप्रेक्ष्य विषय पर हुई संगोष्ठी में मुख्य अतिथि रजनी तिवारी ने कहा कि सरकार की योजना 'अंत्योदय से सर्वोदय' की सोच पर आधारित है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति का मूल उद्देश्य शिक्षा में भारतीयता को स्थापित करना है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने राजनीति विज्ञान विभाग के नवनियुक्त शिक्षकों को संगोष्ठी की सफलता पर विशेष बधाई दी। कार्यक्रम में राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. संजय गुप्ता, संगोष्ठी संयोजक डा. जितेंद्र कुमार, प्रति कुलपति प्रो. मनुका खन्ना, प्रो. कमल कुमार, प्रो. कविराज, डा. अमित कुशवाहा, डा. शिखा चौहान, डा. राजीव सागर, डा. माधुरी साहू आदि अन्य रहे • आयोजक

एआइ में दक्ष बनने के साथ एप डेवलपमेंट करना सीखेंगे विद्यार्थी

- लवि के द्वितीय परिसर में एआइ और मैक लैब का शुभारंभ
- कई परियोजनाओं का कुलपति प्रो. आलोक राय ने किया लोकार्पण

जासं • लखनऊ : लवि के द्वितीय परिसर जानकीपुरम में अत्याधुनिक आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस लैब और एप्पल आइमैक लैब शुरू हो गई है। अब बीटेक के विद्यार्थी मशीन लर्निंग, रोबोटिक्स, कंप्यूटर विजन, नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग और डाटा एनालिटिक्स जैसे उन्नत क्षेत्रों में शोध और नवाचार कर सकेंगे। एआइ में दक्ष बनने के साथ एप डेवलपमेंट करना भी सीखेंगे। दोनों लैब विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकी ज्ञान और व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से विकसित की गई हैं। मंगलवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कई विकास परियोजना का शुभारंभ किया।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा, इन दोनों प्रयोगशालाओं के माध्यम से विद्यार्थियों को उद्योग आधारित प्रशिक्षण, इंटर्नशिप और शोध के लिए बेहतर अवसर मिलेंगे। संस्थान के संकायाध्यक्ष प्रो. एके सिंह भी मानते हैं कि दोनों लैब 21वीं सदी की तकनीकों से जोड़ेंगी और उन्हें बेहतर रोजगार दिलाने में सहायक होंगी। एआइ लैब से विद्यार्थियों को एआइ तकनीकी समझ में गहराई आएगी और वे वैश्विक स्तर की चुनौतियों के लिए बेहतर रूप से तैयार हो सकेंगे। इसके साथ ही, एप्पल आइमैक लैब की स्थापना विश्वविद्यालय को 'एप्पल आथराइज्ड ट्रेनिंग सेंटर फार एजुकेशन (एएटीसीई)' के रूप में विकसित करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस लैब में विद्यार्थियों को मैक सिस्टम, स्विफ्ट प्रोग्रामिंग, एक्सकोड और अन्य एप्पल डेवेलपर टूल्स के जरिए आधुनिक एप्लिकेशन डेवलपमेंट का प्रशिक्षण मिलेगा। इससे छात्र व्यावसायिक स्तर पर एप बना सकेंगे। साथ ही उन्हें एप्पल से मान्यता प्राप्त प्रमाणपत्र भी मिलेगा।

सुरक्षित और हरित परिसर : कुलपति ने द्वितीय परिसर में नव-निर्मित बाउंड्री वाल, गंगा छात्रावास के पास डीप बोर नलकूप का लोकार्पण किया। इससे परिसर में स्वच्छ और सतत जल की पूर्ति हो सकेगी। इसके अलावा स्वचालित सौर ऊर्जा आधारित स्ट्रीट लाइट्स लगाई गई हैं जो विश्वविद्यालय के हरित ऊर्जा को बढ़ावा देंगी। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय में आधारभूत संरचना और तकनीकी नवाचार को समान रूप से प्राथमिकता दी जा रही है, ताकि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं आधुनिक शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध हो सके।

लैब का शुभारंभ करते लवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय • जागरण

कुलपति ने किया परियोजनाओं का लोकार्पण

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

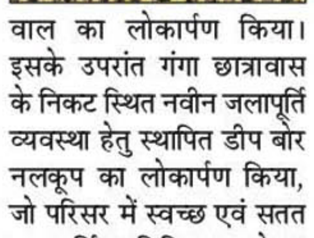

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने विभिन्न महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं का लोकार्पण संपन्न हुआ। यह आयोजन विश्वविद्यालय की आधारभूत संरचना को सुदृढ़ बनाने एवं विद्यार्थियों को आधुनिक सुविधाओं से युक्त शिक्षण वातावरण प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम रहा।

कुलपति ने सर्वप्रथम द्वितीय परिसर में नव-निर्मित बाउंड्री वाल का लोकार्पण किया। इसके उपरांत गंगा छात्रावास के निकट स्थित नवीन जलापूर्ति व्यवस्था हेतु स्थापित डीप बोर नलकूप का लोकार्पण किया, जो परिसर में स्वच्छ एवं सतत जलापूर्ति सुनिश्चित करेगा। साथ ही द्वितीय परिसर में ही स्वचालित सौर ऊर्जा आधारित स्ट्रीट लाइट्स का लोकार्पण किया, जो विश्वविद्यालय के हरित ऊर्जा के प्रति संकल्प को दर्शाता है। अगले चरण में अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग में निर्मित अत्याधुनिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रयोगशाला और एप्पल आईमैक प्रयोगशाला का उद्घाटन कुलपति प्रो आलोक कुमार राय के द्वारा किया गया। यह लोकार्पण समारोह लखनऊ विश्वविद्यालय की शैक्षणिक प्रगति, तकनीकी सशक्तिकरण एवं नवाचार की दिशा में प्रतिबद्धता का प्रतीक है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी और शिक्षक भी उपस्थित रहे।

देश के विकास में शिक्षा की महती भूमिकाः रजनी तिवारी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचारः लखनऊ विश्वविद्यालय के राजनीतिशास्त्र विभाग और भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन मंगलवार को समापन हो गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी ने कहा कि सरकार की योजना 'अंत्योदय से सर्वोदय' पर आधारित है, जिसका लक्ष्य समाज के हर वर्ग तक शिक्षा और विकास की पहुंच सुनिश्चित करना है। देश के विकास में शिक्षा की महती भूमिका है। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के मुख्य उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह नीति शिक्षा में भारतीय मूल्यों और संस्कृति को प्राथमिकता देती है, जो राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है।

इस मौके पर कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने कहा कि इस तरह के शैक्षिक आयोजनों से न केवल शोध और विचारों का आदान-प्रदान होता है, बल्कि युवा शिक्षकों और छात्रों को प्रेरणा भी मिलती है। इस अवसर प राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर संजय गुप्ता और संगोष्ठी के संयोजक डॉ. जितेंद्र कुमार प्रो. कमल कुमार, प्रो. कविराज, डॉ. अमित कुशवाहा, डॉ. शिखा चौहान, डॉ. राजीव सागर, डॉ. माधुरी साहू, डॉ. अनामिका, डॉ. जितेंद्र कुमार सहित अन्य शिक्षक व छात्र मौजूद थे।

THE PIONEER PAGE 2

Projects launched at LU's second campus

PIONEER NEWS SERVICE ■ Lucknow

Various development projects were inaugurated by the Vice-Chancellor Prof. Alok Kumar Rai at the second campus of Lucknow University on Tuesday.

The Vice-Chancellor first inaugurated the newly-constructed boundary wall in the second campus. After this, he inaugurated the deep bore tubewell installed for the new water supply system near Ganga hostel, which will ensure clean and continuous water supply in the campus. Also, he inaugurated the automatic solar energy based street lights in the second campus, which shows the university's commitment towards green energy. In the next phase, the state-of-the-art Artificial Intelligence Laboratory and Apple iMac Laboratory built in the Department of Computer Science and Engineering, Faculty of Engineering and Technology was inaugurated by Vice Chancellor Prof. Alok Kumar Rai. Speaking at the inauguration ceremony of the laboratory, the Vice-Chancellor said, "Infrastructure and technological innovation are being given equal priority in the university to provide quality and modern academic environment to students. Facilities like boundary wall, water supply system and solar street lights in the second campus not only provide security and convenience but also reflect the University's commitment towards green energy."

HT PAGE 3

LU unveils AI lab at second campus

LUCKNOW : Vice chancellor Prof Alok Kumar Rai inaugurated several infrastructure and tech upgrades at Lucknow University's second campus in Jankipuram Vistar on Tuesday. The developments include an AI laboratory and Apple iMac laboratory in the computer science and engineering department.

3rd Dr Avtar Singh writing contest

LUCKNOW: Lucknow University has announced the third Dr Avtar Singh Memorial National Article Writing Competition, on Tuesday. The contest is organised to honour the legacy of Dr. Avtar Singh, one of India's respected